K. C. E. Society's
Moolji Jaitha College

NAAC Reaccredited Grade - A (CGPA : 3.15 - 3rd Cycle) |
UGC honoured "College of Excellence"
Dept. of Biotechnology, Ministry of Science & Technology honoured
"Star College" | DST(FIST) Assisted College

ESTD. 1945

के. सी. ई. सोसायटीचे
मूळजी जेठा महाविद्यालय

नॅककडून पुनर्मानांकित श्रेणी – 'ए' (सी.जी.पी.ए. : ३.१५ – तिसरी फेरी)
विद्यापीठ अनुदान आयोगाद्वारा घोषित 'कॉलेज ऑफ एक्सलन्स'
भारत सरकारच्या विज्ञान, तंत्रज्ञान, जैवतंत्रज्ञान विभागातर्फे
घोषित 'स्टार कॉलेज' : डी.एस.टी. (फीस्ट) अंतर्गत अर्थसहाय्य प्राप्त

Date :- 29/06/2019

# NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B. A./M. A. in Hindi (Sem I & II)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 28/06/2019.

The Syllabi of B. A./M. A. in Hindi (First and Second Semesters) as per CBCS-UG/PG Regulations, 2016 and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2019-20.

Copy of the Syllabi shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Chairman
Board of Studies

MOOLJI JAIT[illegible] COLLEGE, JALGAON
NAAC GRADE 'A' CGPA 3.15 (3rd Cycle)
AUTONOMOUS

Principal,
M. J. College, Jalgaon

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The Director, School of Languages, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
4) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.
5) Office File.

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

# हिंदी पाठ्यक्रम

## स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)
## (प्रथम सत्र)

(जून 2019 से लागू )

# CBCS Autonomous Structure for MA - 1st Year HINDI

| Semester | Core Course | Paper No | Name of Course | No. of Credits | No. of Hours per Week |
|---|---|---|---|---|---|
| I | DSC | HIN. 101 | Aadunik Gadya-1 | 4 | 4 |
| | | HIN. 102 | Aadikalin Avam Bhaktikalin kavya | 4 | 4 |
| | | HIN. 103 | Bhartiya Kavya Shastra Evam Aalochana | 4 | 4 |
| | SEC | HIN 104 | Anuvad Vigyan | 4 | 4 |
| | DSE | HIN.105 | Vimarsh mulak Sahitya- Dalit Vimarsh | 4 | 4 |

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

## स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**प्रथम सत्र ( Semister I)**

**Paper Name : आधुनिक गद्य -1 (उपन्यास और नाटक)**

**Paper Code : HIN 101 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

1) छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

2) उपन्यास और नाटक की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना।

3) भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

4) छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
|---|---|---|
| **इकाई 1 उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | i) उपन्यास का स्वरूप, परिभाषा<br>ii) उपन्यास के तत्व<br>iii) उपन्यास विधा की विकासात्मक यात्रा<br>iv) उपन्यास विधा की अन्य गद्य विधाओं से तुलना (कहानी, नाटक, निबंध आदि)<br>v) उपन्यास के प्रकार- (सामाजिक, राजकीय, व्यंग्यात्मक, चरित्रात्मक, ऐतिहासिक, आंचलिक, दलित, आदिवासी, पौराणिक आदि) | 10 |
| **इकाई 2 उपन्यास** | **गोदान (उपन्यास)**<br>**लेखक- प्रेमचंद**<br>**प्रकाशन- राजपाल एण्ड सन्स्, नई दिल्ली** | 20 |
| **इकाई 3 नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | i) नाटक का स्वरूप और परिभाषा<br>ii) नाटक के तत्व<br>iii) नाटक विधा की विकासात्मक यात्रा<br>iv) नाटक विधा की अन्य विधाओं से तुलना<br>v) नाटक के प्रकारों का अध्ययन ( ऐतिहासिक नाटक, पौराणिक नाटक,सामाजिक नाटक,राजनैतिक नाटक आदि) | 10 |

| | | |
|---|---|---|
| **इकाई 4**<br>**नाटक** | **अभंग गाथा**<br>**लेखक : नरेंद्र मोहन**<br>**प्रकाशक: जगतराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली** | 20 |

**संदर्भ ग्रन्थ -**


१) प्रेमचंद के उपन्यास कला का उत्कर्ष : गोदान – डॉ.कृष्णदेव झारी
२) हिंदी के आँचलिक उपन्यास सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ- विमल शंकर नागर
३) गोदान अध्ययन की समस्याएँ – डॉ.गोपाल राय
४) गोदान : पुनर्मूल्यांकन – डॉ.राजपाल शर्मा
५) समकालीन हिंदी उपन्यास- एम. षण्मुखन
६) उपन्यासकार प्रेमचंद – डॉ.सुभाषिनी शर्मा
७) नरेंद्र मोहन कृत अभंग गाथा : कथ्य एवं शिल्प- बाबासाहेब दौलत गव्हाने,
८) रंग शब्द शिल्पी : नरेंद्र मोहन - प्रा. ए. बी. पाटील
९) संतों में संत तुकाराम महाराज : अभंग रहस्य और जीवन चरित्र- सरश्री
१०) तुकोबाच्या अभंगांची शैली मीमांसा- रा.गो.भांडारकर, पु.मं.लाड, वा. सी. बेंद्रे, दिलीप चित्रे
११) तुकाराम महाराज- भालचंद्र नेमाडे
१२) पुन्हा तुकाराम- दिलीप चित्रे
१३) विद्रोही तुकराम –आ.ह.सालुंखे
१४) नरेंद्र मोहन कृत अभंग गाथा : एक अनुशीलन - डॉ.शेख.आर.वाय.
१५) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में शोषण के विभिन्न रूप – डॉ. सुरेश तायडे
१६) नरेंद्र मोहन का नाट्य संसार- डॉ. शेख आर. वाय.
१७) समकालीन नाट्यपरिदृश्य- परवीन अस्कर
१८) नई सदी : नये नाटक- डॉ. अर्जून जानू घरत, प्रा. संदीप कदम
१९) नाटककार नरेंद्र मोहन-सं.डॉ.शिवाजी देवरे
२०) नया परिदृश्य और नरेंद्र मोहन के नाटक –डॉ.गुरुचरण सिंह

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**प्रथम सत्र ( Semister I)**

**Paper Name : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**

**Paper Code : HIN 102 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना।
2. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के मध्यकालीन कवियों तथा उनके साहित्य से परिचित कराना।
4. छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों के काव्य विषय, भाषा - शैली, तथा कविता में निहित मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| **अ) विद्यापति पदावली**<br>**संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद** | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ**<br>**No. of Lectures** |
| **इकाई 1**<br>**विद्यापति के पद** | **विद्यापति : जीवन तथा कृतित्व परिचय**<br>**(इसपर केवल अंतर्गत परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे)**<br>**पद संख्या** -1, 4, 11, 35,36, 176, 184,191, 204, 217 | 12 |
| **इकाई 2**<br>**अध्ययनार्थ विषय** | 2.1 विद्यापति : भक्त कवि या श्रृंगारी कवि<br>2.2 विद्यापति के पदों में सौन्दर्य चेतना<br>2.3 विद्यापति के पदों में श्रृंगार :<br>संयोग पक्ष और वियोग पक्ष<br>2.4 विद्यापति की पदावली में राधा-कृष्ण (चरित्र वर्णन)<br>2.5 गीतिकाव्य की दृष्टि से पदावली का मूल्याङ्कन<br>2.6 पदावली का काव्य सौन्दर्य-<br>2.7 भाव पक्ष एवं शिल्प पक्ष | 18 |

| आ) कबीर ग्रंथावली<br>संपादक : श्यामसुंदर दास<br>प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ<br>No. of Lectures** |
| **इकाई 3<br>कबीर के दोहे और पद** | **कबीर : जीवन तथा कृतित्व परिचय<br>(इसपर केवल अंतर्गत परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे)**<br>बिरह कौ अंग : 3, 5, 11, 12, 21, 25<br>चितावणी कौ अंग : 4, 12, 16, 29, 39,53<br>पदावली : 40, 51, 59, 92 ,111, 156 | 12 |
| **इकाई 4<br>अध्ययनार्थ विषय** | 2.1 संत काव्य परंपरा और कबीर<br>2.2 कबीर का प्रेम तत्व<br>2.3 कबीर द्वारा व्यंजित वियोग पक्ष<br>2.4 कबीर का रहस्यवाद<br>2.5 कबीर का दर्शन<br>2.6 कबीर की भक्ति भावना<br>2.7 कबीर की सामाजिक चेतना<br>2.8 कबीर का काव्य : भाव पक्ष और शिल्प पक्ष<br>2.9 कबीर की प्रासंगिकता | 18 |

**संदर्भ ग्रन्थ**


1.विद्यापति की काव्य समीक्षा - गोविन्दराम शर्मा
2.विद्यापति युग और साहित्य -डॉ.अरविन्द नारायण सिन्हा
3.विद्यापति और उनका युग- डॉ.शिवप्रसाद सिंह
4.विद्यापति- डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित
5.कबीर-आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
6.कबीर की विचार धारा- गोनिंद त्रिगुणायत
7.कबीर साहित्य की परख - परशुराम चतुर्वेदी
8.कबीर मीमांसा - डॉ.रामचंद्र तिवारी
9. कबीर व्यक्ति और चिंतन - डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित
10 कबीर एक विवेचन —डॉ.सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**प्रथम सत्र ( Semister I)**

**Paper Name : भारतीय काव्यशास्त्र और आलोचना**

**Paper Code : HIN 103 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. छात्रों की हिंदी साहित्य तथा भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना।
2. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं से परिचित कराना।
4. छात्रों को आलोचना की परंपरा और आलोचना के मूल्यों की जानकारी देना।
5. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

### पाठ्यक्रम (Syllabus)

| इकाई Unit | सामग्री Content | तासिकाएँ No. of Lectures |
|---|---|---|
| इकाई 1 | भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय। (इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा) | 03 |
| | **रस सिद्धांत**<br>1,रस का स्वरूप<br>2,रस निष्पति विषयक भरत मुनि का सूत्र और भट्टलोलट, शंकुक,भट्टनायक, अभिनय गुप्त की व्याख्याओं का तत्संबंधी विवेचन।<br>3,साधारणीकरण : भट्टनायक, अभिनय गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ विश्वनाथ,आ.रामचंद्र शुक्ल, डॉ.नगेन्द्र, डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों का विवेचन।<br>4.वर्तमान सन्दर्भ में रस सिद्धांत की प्रासंगिकता। | 12 |
| इकाई 2 | **अलंकार सिद्धांत**<br>1.अलंकार शब्द की व्युत्पति<br>2.परिभाषा और स्वरूप | 7 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3.अलंकार और अलंकार्य<br>4.अलंकार संप्रदाय<br>5.काव्य में अलंकार का स्थान | |
| | **रीति सिद्धांत**<br>1रीति शब्द की व्युत्पति<br>2.परिभाषा और स्वरूप<br>3.रीति के विविध पर्याय<br>4.रीति भेदों के आधार<br>5.रीतिभेद<br>6. रीति और गुण<br>7.रीति और शैली,<br>8.आचार्य वामन का योगदान | 8 |
| **इकाई** 3 | **ध्वनि सिद्धांत**<br>1. 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पति 2.परिभाषा 3.ध्वनि और स्फोट सिद्धांत 4. ध्वनि और शब्दशक्ति 5. ध्वनि के भेद- अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य | 8 |
| | **वक्रोक्ति सिद्धांत**<br>1. वक्रोक्ति की परिभाषा 2. वक्रोक्ति का स्वरूप 3.कुंतक पूर्व वक्रोक्ति 4.वक्रोक्ति के भेद | 7 |
| **इकाई** 4 | **औचित्य सिद्धांत**<br>1.औचित्य का स्वरूप 2. काव्य में औचित्य का महत्त्व | 6 |
| | **आलोचना**<br>1.आलोचना का स्वरूप और उद्देश्य,<br>2.आलोचक के गुण 3. आलोचना के विभिन्न प्रकार- सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक,स्वच्छन्दतावादी, मनोवैज्ञानिक और प्रगतिवादी आलोचना। | 9 |

**सन्दर्भ ग्रन्थ**


1. काव्यशास्त्र – डॉ.भगीरथ मिश्र
2. रस सिद्धांत : स्वरूप-विश्लेषण - आ.आनंदप्रकाश दीक्षित
3. भारतीय साहित्यशास्त्र (खंड 1 और 2 ) - बलदेव उपाध्याय
4. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत –डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
5. भारतीय काव्यशास्त्र –उदयभानु सिंह
6. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ.कृष्णदेव झारी
7. रससिद्धांत – आ.रामचंद्र शुक्ल
8. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.विजयकुमार वेदालंकार
9. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.सुरेश अग्रवाल
10. सुलभ काव्यशास्त्र(भारतीय एवं पाश्चात्य) - डॉ.सुरेश तायडे
11. ध्वनि संप्रदाय और उसके सिद्धांत – डॉ.बच्चूलाल अवस्थी
12. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत – गोविन्द त्रिगुणायत
13. काव्य समीक्षा के भारतीय मानदंड – डॉ.उर्मिला पाटील, डॉ. वासंती साळवेकर
14. भारतीय काव्यशास्त्र – योगेन्द्र प्रताप सिंह

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**प्रथम सत्र (Semister I)**

**Paper Name : अनुवाद विज्ञान**

**Paper Code : HIN 104 (SEC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

- छात्रों में अनुवाद की क्षमता विकसित करना
- अनुवाद के सांस्कृतिक महत्त्व को रेखांकित करना
- अनुदित साहित्य का महत्त्व समझाना
- व्याकरण के महत्त्व को समझाना
- छात्रों को रोजगारमूलक संभावनाओं से अवगत कराना

| **पाठ्यक्रम (Syllabus)** | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
| **इकाई** 1 | 1) अनुवाद का स्वरूप<br>2) अनुवाद की परिभाषाएं<br>3) अनुवाद के प्रकार<br>4) अनुवादक के गुण | 24 |
| **इकाई** 2 | 1) अनुवाद की प्रक्रिया<br>2) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष<br>3) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्त्व ( द्विभाषाकोश, त्रीभाषाकोश, वर्णात्मककोश आदि ) | 24 |
| **इकाई** 3 | **प्रात्यक्षिक / प्रकल्प** | 12 |

**सन्दर्भ ग्रन्थ**


1) अनुवाद विज्ञान, डॉ.भोलानाथ तिवारी
2) अनुवाद कला : कुछ विचार, डॉ.आनंद प्रकाश खोभानी
3) अनुवाद कला, डॉ.चारुदत्त शास्त्री
4) अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ.एस.के.शर्मा
5) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, डॉ.भोलानाथ तिवारी
6) अनुवाद भाषाएँ -समस्याएं , अय्यर एन.ई.विश्वनाथ
7) रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान, डॉ.सुरेश माहेश्वरी
8) अनुवाद विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति,डॉ. मु.ब. शहा, पीताम्बर सरोदे
9) अनुवाद सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ.मनोहर सराफ, शिवाकांत गोस्वामी
10) अनुवाद निरूपण, डॉ.भारती गोरे
11) अनुवाद :अवधारणा और आयाम, डॉ.सुरेश तायडे, विजय लोहार

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

## स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

### प्रथम सत्र ( Semister I)

**Paper Name: विमर्शमूलक साहित्य-1 (दलित विमर्श)**

**:Paper Cod HIN 105 (DSE)** **: Credit4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

- छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- उपन्यास और नाटक की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना।
- छात्रों में विमर्श मूलक साहित्य को लेकर समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
- छात्रों को मानवीय जीवन मूल्यों से परिचित करना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| दलित विमर्श | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
| **इकाई 1 दलित विमर्श का सैद्धांतिक विवेचन** | 1.1 दलित शब्द का अर्थ, परिभाषा<br>1.2 दलित साहित्य का स्वरूप<br>1.2 दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत<br>1.4 दलित साहित्य की विशेषताएँ | 8 |
| **इकाई 2 आत्मकथा का सैद्धांतिक विवेचन** | 2.1 आत्मकथा की परिभाषा<br>2.2 आत्मकथा का स्वरूप<br>2.3 आत्मकथा के तत्व<br>2.4 आत्मकथा का विकास | 8 |
| **इकाई 3 नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | 3.1 नाटक की परिभाषा<br>3.2 नाटक का स्वरूप<br>3.3 नाटक के तत्व<br>3.4 नाटक का विकास | 8 |
| **इकाई 4 रचनाएँ** | 1. **जूठन** (आत्मकथा ) ओमप्रकाश वाल्मीकि | 18 |
| | 2. **उजास** ( नाटक) रतनकुमार सांभारिया | 18 |

**संदर्भ ग्रंथ -**


1) भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय
2) दलित साहित्य संघर्ष एवं अनुभव - ओमप्रकाश वाल्मीकि
3) साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्र कुमार मलिक
4) हिंदी साहित्य में दलित चेतना - डॉ. आनंद वारकर
5) हिंदी उपन्यासों में दलित चेतना - डॉ. रामचंद्र माली
6) दलित चेतना: साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार - रमणिका गुप्ता
7) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में शोषण के विभिन्न रूप – डॉ. सुरेश तायडे
8) चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य – डॉ. श्यौराजसिंह बेचैन
9) हिंदी साहित्य का दलित विमर्श – डॉ. रोशनी पवार
10) हिंदी दलित साहित्य और चिंतन – डॉ. ललिता कौशल



**डॉ.सुरेश तायडे**
विभागाध्यक्ष एवं
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
मूलजी जेठा महाविद्यालय

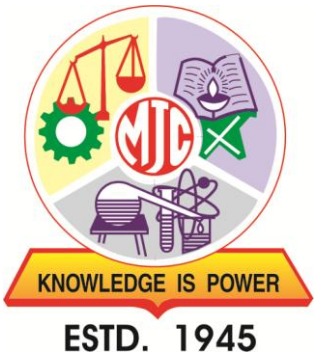


के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

# हिंदी पाठ्यक्रम

## स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)
## (द्वितीय सत्र)

(जून 2019 से लागू )

# CBCS Autonomous Structure for MA - 1st Year HINDI

| Semester | Core Course | Paper No | Name of Course | No. of Credits | No. of Hours per Week |
|---|---|---|---|---|---|
| II | DSC | HIN. 201 | Aadunik Gadya-2 | 4 | 4 |
| | | HIN. 202 | Reetikalin Kavya | 4 | 4 |
| | | HIN. 203 | Pashchatya kavyashstra ke siddhant aur vad | 4 | 4 |
| | GE | HIN 204 | Hindi Vyakaran Evam Mudrit Shodhan | 4 | 4 |
| | DSE | HIN 205 | Vimrsh mulak Sahitya.( Stri Vimarsh) | 4 | 4 |

**के.सी.ई.सोसायटी संचालित**

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**द्वितीय सत्र ( Semister II)**

**Paper Name : आधुनिक गद्य- 2 (कहानी और निबंध )**

**Paper Code : HIN 201 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक:100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

१) आधुनिक हिंदी कहानी विधा और निबंध विधा से परिचित कराना।

२) आधुनिक हिंदी कहानी और निबंध विधा के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त कराना ।

3) इन विधाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों का परिचय कराना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
|---|---|---|
| **इकाई 1 कहानी विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | i) कहानी का स्वरूप एवं परिभाषा<br>ii) कहानी के तत्व<br>iii) कहानी की विकासात्मक यात्रा<br>iv) कहानी की अन्य गद्य विधाओं से तुलना (उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र आदि) v) कहानी के प्रकार (सामाजिक, राजकीय, आंचलिक, ऐतिहासिक, लघुकथा आदि) | 10 |
| **इकाई 2 कहानी संग्रह** | **दस प्रतिनिधि कहानियाँ**<br>**(कहानी संग्रह- 10 कहानियाँ)**<br>**लेखिका - ममता कालिया**<br>**प्रकाशन - किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली** | 20 |
| **इकाई 3 निबंध विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | i) निबंध का स्वरूप और परिभाषा<br>ii) निबंध के तत्व<br>iii) निबंध विधा की विकासात्मक यात्रा<br>iv) निबंध विधा की अन्य विधाओं से तुलना | 10 |

| | | |
|---|---|---|
| | v) निबंध के प्रकारों का अध्ययन (व्यक्तिगत, आलोचनात्मक, राजनैतिक, सामाजिक, कल्पनात्मक, ललित निबंध आदि) | |
| **इकाई 4**<br>**निबंध संग्रह** | **अशोक के फूल (निबंध संग्रह)**<br>**लेखक - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी**<br>**प्रकाशन - लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली**<br>**अध्ययनार्थ निबंध-**<br>1) अशोक के फूल<br>2) वसंत आ गया<br>3) आपने मेरी रचना पढ़ी<br>4) हमारी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली<br>5) भारतीय संस्कृति की देन<br>6) संस्कृति का साहित्य<br>7) साहित्यकारों का दायित्व<br>8) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है<br>9) नया वर्ष आ गया<br>10) मेरी जन्म भूमि | 20 |

**संदर्भ ग्रन्थ**


1) ममता कालिया के कथा साहित्य में नारी- रेजानी व्ही. ए.

2) ममता कालिया के कथा साहित्य में नारी चेतना- डॉ. सीमा शर्मा

3) ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व- फैमिदा बिजापुर

4) महिला लेखन में चेतना के बदलते स्वर- डॉ. शामा खान

5) आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबंध- विनोद तिवारी

6) आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी की जय- यात्रा, नामवर सिंह

7) आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध संग्रह, 'अशोक के फूल' के उपजीव्य, डॉ. अंशुमाला मिश्रा

8 ) हिंदी ललित निबंध- सं.डॉ. शिवाजी देवरे

9) हिंदी निबंध और निबंधकार- डॉ. रामचंद्र तिवारी

10) आज की कहानी- विजय मोहन सिंह

11) हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध- डॉ. उषा सिंहल

12) हिंदी निबंधों का शैलिगत अध्ययन- मु. ब. शहा

13) हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबधों में मानवीय चिंतन- सुरिंदर और गौड

14) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व एवं साहित्य- गणपतिचंद्र गुप्त

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**द्वितीय सत्र ( Semister II)**

**Paper Name : रीतिकालीन काव्य**

**Paper Code : HIN 202 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि मध्य कालीन कवियों तथा उनकी विशेषताओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को मध्य कालीन हिंदी कवियों का काव्य विषय, भाषा- शैली तथा कविता में निहित मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करना।

| | | |
|---|---|---|
| | **अ) बिहारी वैभव**<br>**संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी**<br>**प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी** | |
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ**<br>**No. of Lectures** |
| **इकाई 1**<br>**बिहारी के दोहे** | **बिहारी: जीवन तथा कृतित्व परिचय**<br>**(इसपर केवल अंतर्गत परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे)**<br>**पद संख्या 1 से लेकर 50 तक** | 12 |
| **इकाई 2**<br>**अध्ययनार्थ विषय** | 2.1 रीतिकाल और बिहारी<br>2.2 बिहारी की भक्ति भावना<br>2.3 बिहारी की सौन्दर्य चेतना<br>2.4 बिहारी के काव्य में संयोग पक्ष<br>2.5 बिहारी के काव्य में वियोग पक्ष<br>2.6 बिहारी के काव्य में बहुज्ञता और नीति<br>2.7 बिहारी के काव्य का काव्य सौन्दर्य-<br>भाव पक्ष एवं शिल्प पक्ष | 18 |
| | **आ) महाकवि भूषण**<br>**संपादक : भगीरथ प्रसाद दीक्षित**<br>**प्रकाशन : साहित्य भवन प्रा.लिमिटेड, इलाहाबाद** | |

| इकाई Unit | सामग्री Content | तासिकाएँ No. of Lectures |
|---|---|---|
| **इकाई 3**<br>**भूषण के पद** | **भूषण : जीवन तथा कृतित्व परिचय**<br>**(इसपर केवल अंतर्गत परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे)**<br>**पद संख्या**<br>5, 7, 12, 14, 19, 21, 35, 38 | 12 |
| **इकाई 4**<br>**अध्ययनार्थ विषय** | 2.1 युग जीवन और भूषण<br>2.2 भूषण के काव्य में शिव चरित्र<br>2.3 भूषण की राष्ट्रीयता<br>2.4 भूषण के काव्य में रस योजना<br>2.5 भूषण की काव्य शैली<br>2.6 भूषण के काव्य में अलंकार निरूपण<br>2.7 भूषण का काव्य : भाव पक्ष और शिल्प पक्ष | 18 |

**संदर्भ ग्रन्थ**


1.बिहारी का नया मूल्याङ्कन – बच्चन सिंह
2.बिहारी मीमांसा – डॉ.रामसागर त्रिपाठी
3.बिहारी का काव्य लालित्य – डॉ.रमाशंकर तिवारी
4. बिहारी सतसई – जगन्नाथदास रत्नाकर
5. भूषण विमर्श – डॉ.भगीरथ दीक्षित
6. भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
7. भूषण : साहित्यिक और ऐतिहासिक अनुशीलन – डॉ.भगवानदास तिवारी

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**द्वितीय सत्र ( Semister II)**

**Paper Name : पाश्चात्य काव्यशास्त्र और विविध वाद**

**Paper Code : HIN 203 (DSC)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. छात्रों को पाश्चात्य्य काव्यशास्त्र से परिचित कराना।
2. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| इकाई Unit | सामग्री Content | तासिकाएँ No. of Lectures |
|---|---|---|
| इकाई 1 | पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय। (इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा) | 03 |
| | **अनुकरण सिद्धांत**<br>1. अनुकरण की व्याख्या और स्वरूप<br>2. अनुकरण के संबंध मर प्लेटो और अरस्तु के विचारों का तुलनात्मक विवेचन। | 12 |
| इकाई 2 | **विरेचन सिद्धांत**<br>1. प्लेटो और अरस्तु के विचारों का विवेचन<br>2. त्रासदी और विरेचन | 6 |
| | **उदात्त सिद्धांत**<br>1,लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या और स्वरूप<br>2.उदात्त के अन्तरंग और बहिरंग तत्व<br>3.उदात्त के विरोधी तत्व<br>4.काव्य में उदात्त का महत्त्व | 9 |

| | | |
|---|---|---|
| इकाई 3 | **क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद**<br>अभिव्यंजना का स्वरूप और महत्त्व | 6 |
| | **रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत**<br>1.काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या<br>2.मनोवेगों के दो प्रकार<br>3.मनोवेगों में संतुलन<br>4.संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व<br>5. रिचर्डस का योगदान | 9 |
| इकाई 4 | **निर्वैयक्तिकता सिद्धांत एवं वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का सिद्धांत**<br>1.इलियट की निर्वैयक्तिकता की व्याख्या<br>2,परिवर्तित धारणा<br>3.व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण<br>4.वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का सिद्धांत | 6 |
| | निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अधययन<br>**कलावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद** | 9 |

## सन्दर्भ ग्रन्थ


1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देशराज सिंह भाटी
2. समीक्षशास्त्र के भारतीय और पाश्चात्य मानदंड – डॉ.रामसागर त्रिपाठी / डॉ.श्याम मिश्र
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन – सत्यदेव चौधरी, शांतिस्वरूप गुप्त
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ.कृष्णदेव शर्मा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – रामपूजन तिवारी
6. रससिद्धांत – आ.रामचंद्र शुक्ल
7. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेन्द्र
8. उदात्त के विषय में – निर्मला जैन
9. रिचर्डस के आलोचना सिद्धांत – डॉ. शंभूदत्त झा
10. टी.एस.इलियट का आलोचना सिद्धांत – डॉ.शिवमूर्ति पाण्डेय
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – आ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड- डॉ.भाऊसाहेब परदेसी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा-डॉ.तेजपाल चौधरी
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.विजयकुमार वेदालंकार

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

### स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

**द्वितीय सत्र ( Semister II)**

**Paper Name : हिंदी व्याकरण और मुद्रित शोधन**

**Paper Code : HIN 204 (GE)** **Credit : 4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60** **सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

- छात्रों को हिंदी व्याकरण से परिचित कराना
- शुद्ध एव मानक लेखन कौशल विकासित कराना
- मुद्रित शोधन के कर्तव्य से परिचित कराना
- रोजगारमूलक संभावनाओं से अवगत कराना

| पाठ्यक्रम (Syllabus) | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
| **इकाई 1** | 1.शब्द विज्ञान- शब्द के भेद तथा शब्द निर्माण की प्रक्रिया<br>2, वाक्य विज्ञान- स्वरूप, आवश्यकता और वाक्य के भेद<br>3,संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, क्रिया अव्यय, लिंग, वचन, काल, कारक विचार<br>4.अवतरण चिह्नों का परिचय | 24 |
| **इकाई 2** | 1) मुद्रित शोधन - स्वरूप एवं अवधारणा<br>2) मुद्रित शोधन की आवश्यकता<br>3) वर्तनी संबंधी भूलें<br>4) मानक वर्तनी<br>5) मुद्रित शोधक के गुण | 24 |
| **इकाई 3** | **प्रात्यक्षिक / प्रकल्प** | 12 |

**सन्दर्भ ग्रन्थ**

1) आधुनिक हिंदी विविध आयाम, डॉ.कृष्ण कुमार गोस्वामी
2) हिंदी का मानक स्वरुप, डॉ. भोलानाथ तिवारी
3) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, डॉ.दंगल झाल्टे
4) प्रारूप , टिप्पण और प्रूफ पठन , विजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. भोलानाथ तिवारी
5) मुद्रण के तकनिकी सिद्धांत, नवीनचंद्र पंत
6) संपादन कला और प्रूफ पठन , डॉ हरिमोहन
7) मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण, डॉ. रमेशचंद्र मल्होत्रा
8) व्यवहारिक हिंदी व्याकरण, डॉ.हरदेव बाहरी

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

# मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

## हिंदी विभाग

## स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (एम.ए.1)

### द्वितीय सत्र ( Semister II)

**Paper Name: विमर्श मूलक साहित्य-2 (स्त्री विमर्श)**

**: Paper Code HIN 205 (DSE) : Credit4**

**कुल अंक : 100**

**No. of Lectures : 60 सत्रांत परीक्षा: 60 अंतर्गत परीक्षा : 40**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

- छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- आधुनिक काल के उपन्यास और नाटक की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना।
- छात्रों में विमर्शमूलक साहित्य को लेकर समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
- छात्रों को मानवीय जीवन मूल्यों से परिचित करना।

**पाठ्यक्रम (Syllabus)**

| स्त्री विमर्श | | |
|---|---|---|
| **इकाई Unit** | **सामग्री Content** | **तासिकाएँ No. of Lectures** |
| **इकाई 1 स्त्री विमर्श का सैद्धांतिक विवेचन** | 1.1 स्त्री विमर्श : अर्थ , परिभाषा<br>1.2 स्त्री विमर्श की परिव्याप्ति<br>1.3 स्त्री विमर्श का पाश्चात्य दृष्टिकोण<br>1.4 स्त्री विमर्श का भारतीय दृष्टिकोण | 8 |
| **इकाई 2 कहानी विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | 2.1 कहानी की परिभाषा<br>2.2 कहानी का स्वरूप<br>2.3 कहानी के तत्व<br>2.4 कहानी की विकास यात्रा<br>2.5 कहानी विधा की अन्य गद्य विधाओं से तुलना | 8 |

| | | |
|---|---|---|
| **इकाई 3 उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** | 3.1 उपन्यास की परिभाषा<br>3.2 उपन्यास का स्वरूप<br>3.3 उपन्यास के तत्व<br>3.4 उपन्यास की विकास यात्रा<br>3.5 उपन्यास विधा की अन्य गद्य विधाओं से तुलना | 8 |
| **इकाई 4 रचनाएँ** | 1. **एक औरत की नोटबुक** ( कहानी संग्रह ) सुधा अरोड़ा | 18 |
| | 2 . **पचपन खांबे लाल दीवारें** ( उपन्यास) उषा प्रियंवदा | 18 |

**संदर्भ ग्रंथ -**


1) हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ – डॉ. रोहिणी अग्रवाल
2) स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास – सं. संजय गर्ग
3) स्त्री विमर्श विविध पहलू - सं. कल्पना वर्मा
4) स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
5) अंतिम दशक की लेखिकाओं के उपन्यास में नारी - डॉ. रामचंद्र माली
6) समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
7) भारतीय नारी दशा और दिशा - आशारानी व्होरा
8) स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता
9) स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा करतवार
10) हिंदी के अधुनातन नारी उपन्यास - इंदु प्रकाश पांडेय



**डॉ.सुरेश तायडे**
विभागाध्यक्ष एवं
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
मूलजी जेठा महाविद्यालय